www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

SB NEWS

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 पढ़ने की लौ एवं किताबों से नाता अटूट है... | 3 दादा खेड़ा पर हरियाणवी सांग के माध्यम से स्वच्छता... | 4 कैसे शख्स से शादी करना चाहती थीं तारा...

वर्षः 10 | अंकः 85 | दिल्ली, शनिवार, 17 जनवरी 2026 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

मुकुल रॉय को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें मुकुल रॉय को पश्चिम बंगाल विधानसभा के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। रॉय 2021 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर चुने जाने के बाद सत्तारूढ़ ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में वापस लौट आए थे। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने मई में विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने और आगामी राज्य चुनावों से कुछ महीने पहले यह अंतरिम आदेश पारित किया। अदालत ने विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी और भाजपा नेताओं सुवेंदु अधिकारी और अंबिका रॉय को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है, जिन्होंने रॉय की अयोग्यता के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। पीठ ने निर्देश दिया कि चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामे दाखिल किए जाएं, जिसके बाद दो सप्ताह के भीतर प्रतिउत्तर दाखिल किए जाएं।

महायुति सरकार होगी मजबूत : गडकरी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 निकायों के चुनाव में भाजपा-शिवसेना गठबंधन की बढ़त के रुझानों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ-साथ पार्टी कार्यकताओं को भी बधाई दी। गडकरी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की प्रगति की यात्रा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने नगर निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिवसेना के शानदान प्रदर्शन के लिए फडणवीस, शिंदे, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और सभी पार्टी कार्यकताओं को बधाई दी। गडकरी ने कहा कि वह राज्य की जनता के प्रति आभारी हैं, जिन्होंने विकास को प्राथमिकता देते हुए भाजपा नीत महायुति पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि यह जीत महायुति सरकार को और भी अधिक गति प्रदान करेगी, जो विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रही है। गडकरी ने कहा, ह्लमुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र की प्रगति की यात्रा को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। महाराष्ट्र में 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव के लिए मतदान बृहस्पतिवार को हुआ था।

भारत के युवा वास्तविक समस्याओं को हल करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं: प्रधानमंत्री

आज जोखिम लेना मुख्यधारा बन गया है: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में स्टार्टअप इंडिया पहल के एक दशक पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज सभी लोग एक विशेष अवसर, राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के उत्सव में एकत्रित हुए हैं और स्टार्टअप आज संस्थापकों और नवप्रवर्तकों की उपस्थिति में हैं, जो एक नए और विकासशील भारत का भविष्य हैं। उन्होंने बताया कि कुछ ही समय पहले उन्होंने कृषि, फिनटेक, मोबिलिटी, स्वास्थ्य और स्थायित्व के क्षेत्र में कार्यरत कुछ प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए कहा था कि उनके विचारों ने उन्हें प्रभावित किया, लेकिन वे उनके आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षाओं से और भी अधिक प्रभावित हुए।

10 साल पहले स्टार्टअप इंडिया की शुरूआत की याद दिलाते हुए श्री मोदी ने इस पहल की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और युवाओं से मिलकर प्रसन्नता व्यक्त की। इस बात पर जोर देते हुए कि सबसे महत्वपूर्ण पहलू भारत के युवाओं का वास्तविक समस्याओं के समाधान पर ध्यान केंद्रित करना है, श्री मोदी ने उन युवा नवप्रवर्तकों की सराहना की जिन्होंने नए सपने देखने का साहस दिखाया है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आज स्टार्टअप इंडिया के दस साल पूरे हो गए हैं, और यह सफर सिर्फ एक सरकारी योजना की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि लाखों सपनों और अनगिनत कल्पनाओं के साकार होने की गाथा है। उन्होंने याद दिलाया कि दस साल पहले व्यक्तिगत प्रयासों और नवाचार के लिए बहुत कम गुंजाइश थी, लेकिन उन परिस्थितियों को चुनौती दी गई और स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसने युवाओं को असीमित अवसर प्रदान किए और आज इसके परिणाम देश के सामने हैं।

श्री मोदी ने कहा, महज 10 वर्षों में, स्टार्टअप इंडिया मिशन एक क्रांति बन गया है। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। उन्होंने बताया कि दस साल पहले देश में 500 से भी कम स्टार्टअप थे, जबकि आज यह संख्या बढ़कर 2 लाख से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत में केवल चार यूनिकॉर्न थे, जबकि आज लगभग 125 सक्रिय यूनिकॉर्न हैं और दुनिया इस सफलता की कहानी को आश्चर्य से देख रही है।

प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में जब भारत के स्टार्टअप सफर पर चर्चा होगी, तो हॉल में मौजूद कई युवा खुद एक बेहतरीन उदाहरण बनेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि स्टार्टअप इंडिया की रफ्तार लगातार बढ़ रही है और आज के स्टार्टअप यूनिकॉर्न बन रहे हैं, आईपीओ लॉन्च कर रहे हैं और लगातार रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अकेले वर्ष 2025 में लगभग 44,000 नए स्टार्टअप पंजीकृत हुए, जो स्टार्टअप इंडिया की शुरूआत के बाद से किसी भी एक वर्ष में सबसे बड़ी वृद्धि है और ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि भारत के स्टार्टअप रोजगार, नवाचार और विकास को किस प्रकार गति प्रदान कर रहे हैं।

श्री मोदी ने स्टार्टअप इंडिया द्वारा देश में एक नई संस्कृति के जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले नए व्यवसाय और उद्यम मुख्य रूप से बड़े औद्योगिक परिवारों के बच्चों द्वारा शुरू किए जाते थे, क्योंकि केवल उन्हीं को आसानी से वित्तपोषण और समर्थन प्राप्त होता था, जबकि अधिकांश मध्यम वर्ग और गरीब बच्चे केवल रोजगार का सपना ही देख सकते थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम ने इस मानसिकता को बदल दिया है और अब दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों, यहां तक कि गांवों के युवा भी अपने स्टार्टअप खोल रहे हैं और जमीनी स्तर की सबसे गंभीर समस्याओं का समाधान करने का प्रयास कर रहे हैं।

राष्ट्रीय वयोश्री योजना एवं सुगम्य सहायक योजना के तहत लगे रिकॉर्ड कैंपः इंद्राज

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत बवाना विधानसभा क्षेत्र के पंजाब खोर, दिल्ली में एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि पंजाब खोर क्षेत्र में राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत पात्र एवं जरूरतमंद बुजुर्गों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य है, ताकि वे सम्मानजनक, सुरक्षित और आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।

उन्होंने बताया कि कैंप के दौरान वरिष्ठ नागरिकों को उनकी आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण वितरित किए गए, जिनमें व्हीलचेयर, वॉकर, व्हील बेयर कमोड चेयर, कान की मशीन, चश्मा, सिलिकॉन फोम तकिया, स्पाइनल सपोर्ट बेल्ट, नी प्रेस, सर्वाइकल कॉलर सहित अन्य आवश्यक सहायक किट शामिल थीं। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अंत्योदय संकल्प और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के निर्देशों के अनुरूप दिल्ली सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी वरिष्ठ नागरिक आवश्यक सहायक उपकरणों से वंचित न रहे। इसके लिए लगातार असेसमेंट एवं वितरण कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इसी प्रकार के कैंप आयोजित कर पंजाब खोर सहित आसपास के क्षेत्रों के बुजुर्गों को राष्ट्रीय वयोश्री योजना का लाभ दिया जाएगा।

भूमिहार ब्राह्मण महासंघ का 18 जनवरी को दिल्ली में मकर संक्रांति मिलन एवं दही चिउड़ा भोज

भूमिहार ब्राह्मण वर वधू डायरेक्टरी तथा भूमिहार ब्राह्मण गौरव गाथा का होगा लोकार्पण

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासंघ के द्वारा 18 जनवरी रविवार 2026 को दिल्ली के पर्यावरण ऑडिटोरियम ए-14 पर्यावरण कॉम्प्लेक्स, साकेत मेट्रो के समीप नई दिल्ली में सुबह 11 बजे मकर संक्रांति मिलन एवं दही चिउड़ा भोज का आयोजन किया जा रहा है।

इस अवसर पर भूमिहार ब्राह्मण वर वधू डायरेक्टरी का लोकार्पण होगा जिसके प्रधान संपादक अखिल भारतीय भूमिहार ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनीष कुमार शेखर एवं महासचिव डॉ ललितेश्वर कुमार राय एवं संपादक मंडल के सदस्य श्री गोपलजी राय, श्री राजीव चंचल, श्री कुंदन कुमार मधुकर, श्री दिनेश कुमार सिंह, श्री अमितेश आनंद, श्री अभिनंदन सिंह है। इस अवसर भूमिहार ब्राह्मण गौरव गाथा पुस्तक का लोकार्पण भी होगा जिसको भारतीय विश्वविद्यालय परिसंघ के अध्यक्ष कुलाधिपति डॉ प्रियरंजन त्रिवेदी ने कविता संग्रह के माध्यम से लिखा है।

महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनीष कुमार शेखर ने इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि मकर संक्रांति मिलन समारोह पिछले 35 वर्षों से दिल्ली में मनाया जा रहा है। महानगर की भागदौड़ की जिंदगी में एक दुसरे से मिलने एवं संपर्क का यह अनुठा सफल आयोजन होता है। शेखर ने कहा कि इस समारोह में दिल्ली एनसीआर में रहने वाले ब्रह्मर्षि परिवार के लोग भाग लेंगे।

खेल प्रतिभाएं तराशें शिक्षण संस्थानः योगी आदित्यनाथ

पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश में दिख रही नई खेल संस्कृति : सीएम योगी

संजना भारती संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का आह्वान किया है कि वे किसी एक खेल को गोद लेकर उससे जुड़ी प्रतिभाओं को तराशें। खेल के जरिये स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कराकर अनुशासन और खेल भावना को मजबूत करने में योगदान दें।

सीएम योगी शुक्रवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल गतिविधियों को बढ़ाने से युवा नशे से दूर रहेंगे, तमाम विकृतियों से बचे रहेंगे। युवा खेलेगा तो खिलेगा, और यही युवा देश को आगे बढ़ाने में, 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में योगदान देगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने खेलों के माध्यम से भी विकसित भारत बनाने के अभियान में भरपूर प्रयास किए हैं। प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी मेरठ में बन चुकी है। मेरठ में हर प्रकार के स्पोर्ट्स आइटम बन रहे हैं और इसे सरकार ने ओडीओपी में शामिल किया है।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विगत 11 वर्षों में देश में एक नई खेल संस्कृति ने जन्म लिया है। 2014 के पहले खेल की गतिविधियां और प्रतियोगिताएं सरकार के एजेंडे का हिस्सा नहीं होती थीं। खेल और खिलाड़ियों की उपेक्षा होती थी। अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर न होने से खिलाड़ी खेल से पलायन करने को विवश होते थे। कुंठित, हताश और निराश रहते थे। जबकि 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खेल और खिलाड़ियों का प्रोत्साहन देखते ही बनता है। पीएम मोदी ने खेलो इंडिया, फिट इंडिया और सांसद खेल प्रतियोगिता जैसे अभियानों से स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र की प्रेरणा दी है। गांव-गांव तक खेल प्रतिभाओं को मंच दिया है। प्रधानमंत्री स्वयं विभिन्न खेलों में देश की विजेता टीमों के खिलाड़ियों के साथ बैठते हैं, प्रतियोगिता से पहले भी उनका हौसला बढ़ाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा ने खेलकूद को सदैव महत्व दिया है। भारत की ऋषि परंपरा के उद्घोष ह्लशरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्ह्ल का उद्धरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा जीवन के जितने भी साधन हैं, उन्हें स्वस्थ शरीर से ही प्राप्त किया जा सकता है। शरीर स्वस्थ रखने के लिए खेलकूद की गतिविधियों से जुड़ना होगा। नियम, संयम और अनुशासन से शरीर पर ध्यान देना होगा। स्वस्थ शरीर से ही समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि खेलकूद को तमाम परिवारों ने जीवन का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में बेटे-बेटी में भेदभाव नहीं है। आज बच्चा (बेटा या बेटी) खेल में रुचि दिखाता है, तो अभिभावक प्रोत्साहित करते हैं, उसके अनुरूप संसाधन की व्यवस्था करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाया गया है। प्रदेश की हर ग्राम पंचायत में खेल मैदान व ओपन जिम, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम, जिला स्तर पर स्टेडियम बनाने के कार्य युद्धस्तर पर आगे बढ़े हैं।

खेल गतिविधियां अनौपचारिक न रहें, बल्कि दिनचर्या का हिस्सा बनें, इसके लिए सरकार ने 96000 से अधिक युवक मंगल दलों और महिला मंगल दलों को स्पोर्ट्स किट वितरित की हैं।

खानपुर प्रखंड के अंतर्गत बी आर सी संसाधन केन्द्र मसीना में एचएम की बैठक आयोजित

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर प्रखंड संसाधन केंद्र मसीना में प्रखंडक्षेत्र के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की बैठक आयोजित किया गया।

बैठक में फाइलेरिया उन्मूलन जो 10 फरवरी 2026 से आयोजित हैं, उसके प्रचार प्रसार करने, यू डाइस, ई शिक्षा कोष पर बच्चों का डेटा सही सही अद्यतन करने, शिक्षकों का उपस्थिति समय से दर्ज करने के साथ साथ विद्यालय विकास पर विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया।प्रधानाध्यापकों द्वारा विद्यालय व्याप्त समस्याओं से पदाधिकारी को अवगत कराया गया।

मौके पर पिरामिल के सुबोध कुमार, बी आर सी अकाउंटेंट शिव कुमार, ज्योति कुमारी प्रधानाध्यापक लाल बाबू, अशोक कुमार साहू, महेश प्रसाद यादव, मो0 एजाज अहमद अंसारी, ललित कुमार सिंह, संतोष कुमार चौधरी, बिपीन कुमार ठाकुर, डॉक्टर संजय कुमार, अरविंद कुमार, नीलम गुप्ता, पूनम कुमारी, नंदेश्वर प्रसाद सिंह, पवन प्रकाश, सुनील कुमार सहित सैकड़ों प्रधानाध्यापक उपस्थित रहे।

ब्लूमिंगडेल के छात्र नोमान अख्तर ने अनाथ बच्चों को दिये स्वेटर जर्सी

संजना भारती संवाददाता

बदायूँ। मकर संक्रांति के पर्व पर बदायूं के अनाथ बच्चों के संग यातायात प्रभारी राम लड़ेते राजपूत एवं ब्लूमिंगडेल स्कूल के छात्र नोमान अख्तर ने अपना जन्मदिन मनाया। बच्चों के साथ उनको तिल के लड्डू खिलाये तथा स्वेटर जर्सी एवं कुर्सियां भेंट की।

इस अवसर पर यातायात पुलिस एस आई नासिर हुसैन, यातायात पुलिस कर्मी कुलदीप आदि ट्रैफिक पुलिस कर्मी एवं जिला अपराध निरोधक कमेटी के मीडिया प्रभारी इंतजार हुसैन आदि लोग उपस्थित रहे। सभी बच्चे उपहार पाकर बड़े खुश दिखाई दे रहे थे।

ठंड व शीतलहर से बचने के लिए एहतियात बरतें जिलावासी : उपायुक्त विश्राम कुमार

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त विश्राम कुमार ने लोगों से खासकर बच्चों व बुजुर्गों से शीतलहर से बचाव का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि शीतलहर के समय यथासंभव घर के अंदर ही रहे, ठंडी हवा से बचने के लिये कम से कम यात्रा करें। रेडियो व अन्य मीडिया से मौसम की जानकारी लेते रहें।

उपायुक्त ने कहा कि युवा वर्ग को बुजुर्गों का हाल-चाल पूछते रहना चाहिए। सर्दी से बचने के लिए एक परत वाले कपड़े की जगह ढीली फिटिंग वाले परतदार हल्के कपड़े, हवा रोधित सूती का बाहरी आवरण तथा गर्म ऊनी भीतरी कपड़े पहनें। शरीर की गर्मी बचाए रखने के लिये टोपी एवं जलरोधी जूतों का प्रयोग करें। सिर को ढक कर रखें। सिर की ऊपरी सतह से शरीर की गर्मी की हानि होती है। फेफड़ों की सुरक्षा के लिए मुंह ढक कर रखना जरूरी है। गर्म तरल

पदार्थ नियमित रूप से लेते रहना चाहिए। इससे ठंड से लड़ने के लिए शरीर की गर्मी बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि शरीर में ऊष्मा के प्रवाह को बनाये रखने के लिये पौष्टिक आहार एवं निर्जलीकरण से बचने के लिए शराब आदि का सेवन ना करें। शीतदंश होने पर चिकित्सक की सलाह अवश्य लें।

आकांक्षी खानपुर प्रखंड मुख्यालय के सभागार में नीति आयोग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर प्रखंड मुख्यालय सभागार में आज नीति आयोग की समीक्षात्मक बैठक सहायक निदेशक नीति आयोग नई दिल्ली दिव्यांशु कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित सभी विभागों के पदाधिकारी को संबोधित करते हुए नीति आयोग, नई दिल्ली के सहायक निदेशक दिव्यांशु कुमार ने कहा कि आकांक्षी प्रखंड होने के नाते यहां सभी विभागों के तय पैरामीटर्स पर प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाना है। उन्होंने बारी बारी से शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल विकास परियोजना, कृषि, जीविका, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य विभाग की समीक्षा किया।समीक्षा के दौरान उपलब्ध डेटा से संतुष्ट दिखे।साथ ही निर्धारित

पैरामीटर्स पर समयबद्ध तरीके से उच्चतम उपलब्धि हासिल करने की बातें कही। उन्होंने कहा कि इस प्रखंड को देश के मानचित्र पर लाना है। जिस विभाग में किसी कारण से उपलब्धि स्तर पीछे है, उसे एक महीने के अंदर पूरा करने का निर्देश दिया।

बैठक को जिला योजना पदाधिकारी निशांत कुमार, सहायक जिला योजना पदाधिकारी प्रशांत कुमार, पिरामल फाउंडेशन के जिला प्रबंधक आदित्य कुमार ने भी संबोधित किया।

मौके पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी संजीव कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खानपुर के चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर राणा नितेश कुमार सिंह, कृषि पदाधिकारी मो0 शौकत अली, प्रधान सहायक धर्मवीर प्रसाद, शिक्षक लाल बाबू, नजीर चंदन कुमार सहित दर्जनों पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

पीड़ितों का शास्त्र न बन जाए उमर-शरजील की हिरासत

छह साल पहले राजधानी दिल्ली के उत्तरी-पूर्वी हिस्से के जाफराबाद और मौजपुर में हुए दंगों पर राजनीति थम नहीं रही है। राजनीति तब भी खूब हुई, जब 23 फरवरी 26 फरवरी 2020 के बीच हुए दंगों का घाव बिल्कुल हरा था। इस बार इन दंगों पर राजनीति की वजह पांच जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से आया एक आदेश है, जिसमें इन दंगों के पांच आरोपियों गुलफिशां फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, शादाब अहम और मोहम्मद सलीम खान को जमानत दे दी गई है। इस आदेश को लेकर राजनीति ही नहीं हो रही, प्रकारांतर से देश की सबसे बड़ी अदालत भी निशाने पर है। सर्वोच्च अदालत ने इन दंगों के आरोपी शरजील इमाम उमर खालिद को जमानत देने से साफ इनकार कर दिया। इस फैसले के खिलाफ सोशल मीडिया पर इन दोनों आरोपियों के पक्ष और सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के खिलाफ बयानबाजी तेज हो गई। मनमोहन सिंह की सत्ता और कांग्रेस के आंख के तारे रहे जेएनयू के पूर्व छात्र रहे एक बड़े पत्रकार ने इन दोनों आरोपियों को देश का प्रखर बुद्धिजीवी बताते हुए उन्हें जमानत ना दिए जाने पर आश्चर्य जताया। वामपंथी वैचारिकी की एक खासियत है। वह अपने पक्ष में अकादमिक तर्क गढ़ने में माहिर रही है। अपने लिहाज के तथ्यों को चुनकर उसके हिसाब से वह तर्क गढ़ने और अपने पक्ष में माहौल बनाने के साथ ही अपनी वैचारिकी के लोगों को पीड़ित दिखाने में वह हमेशा आगे रहती रही है। शरजील इमाम और उमर खालिद के पक्ष में वामपंथी वैचारिकी उसी तरह से उमड़ पड़ी है। वह दोनों के बारे में यह राय बनाने की भरपूर और प्रभावी कोशिश कर रही है कि दोनों दंगाई नहीं, दंगे के शातिर षड्यंत्रकारी नहीं, बल्कि वे प्रखर बुद्धिजीवी हैं। वामपंथी वैचारिकी यह साबित करने की भी कोशिश कर रही है कि दोनों चूंकि अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम समुदाय से हैं, और चूंकि केंद्र में हिंदुत्ववादी सत्ता है। इसलिए अल्पसंख्यक बुद्धिजीवियों को दबाया और प्रताड़ित किया जा रहा है। वामपंथी वैचारिकी और उसकी बुद्धिजीवी जमात यह विमर्श खड़ा करने की कोशिश कर रही है कि हिंदुत्ववादी सत्ता के इशारे पर अदालत मुस्लिम समुदाय के निर्दोष बुद्धिजीवियों को बलि का बकरा बना रही है। यह विमर्श खड़ा करके वामपंथी वैचारिकी और उसकी बुद्धिजीवी जमात दरअसल दंगाईयों को पीड़ित के तौर पर स्थापित करने की कोशिश कर रही है। दिलचस्प यह है कि उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत को नकारने के लिए जहां सर्वोच्च न्यायालय को निशाना बनाया जा रहा है, वहीं बाकी पांच आरोपियों को जमानत दिए जाने के आदेश को जबरदस्ती नेपथ्य में धकेलने की कोशिश की जा रही है। दो लोगों को जमानत ना मिलने को, पांच लोगों को जमानत मिलने की प्रक्रिया के सामने पक्षपाती दिखाया जा रहा है। पांच आरोपियों को मिली जमानत को यह दिखाने की कोशिश हो रही है कि ऐसा करके सर्वोच्च अदालत ने कोई एहसान नहीं किया है। वामपंथी वैचारिकी के इस विमर्श का पूरा मकसद यह भुलाना है कि 2020 के दिल्ली दंगे हिंदू-मुस्लिम दंगे नहीं थे। इस विमर्श का लक्ष्य यह भी भुलाना है कि इन दंगों में अधिसंख्य हिंदू समुदाय के लोग मारे गए थे। इस विमर्श का यह भी मकसद है कि इन दंगों के दौरान आईबी के मासूम अधिकारी अंकित शर्मा की हुई हत्या को सामान्य अपराध दिखाने की कोशिश हो रही है। इन दंगों में आधिकारिक रूप से 53 लोग मारे गए थे। दंगा खत्म होने के बाद कई लाशें नाले में बहती मिलीं। जिस तरह उस दौरान दंगे के एक आरोपी आम आदमी पार्टी के तत्कालीन पार्षद ताहिर हुसैन के घर पत्थर, हथियार और बड़ी-सी गुलेल मिली, उससे तो यही साबित होता है कि दिल्ली के ये दंगे हिंदू समाज को सबक सिखाने की मुस्लिम समाज के कुछ दंगाइयों की कोशिश थी। इन दंगों की टाइमिंग को भी भुलाना आसान नहीं है। जब ये दंगे हुए थे, उसके कुछ ही दिन बाद अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप का भारत दौरा हुआ था। इन दंगों के जरिए कोशिश यह भी की गई थी कि दंगा के षड्यंत्रकारियों का मकसद ट्रंप की भारत यात्रा को निरस्त कराना, भारतीय राज व्यवस्था को बदनाम करना और इसके जरिए भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नुकसान पहुंचाना था। इसमें किंचित वे कामयाब भी हुए।

जयंती

एम. जी. रामचन्द्रन

जन्म: 17 जनवरी, 1917; मृत्यु: 24 दिसम्बर, 1987, तमिल फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता, फि ल्म निमार्ता-निर्देशक थे जो बाद में राजनीति में आये और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने। वर्ष 1977 से लेकर 1987 में उनके निधन तक वे भारत के तमिलनाडु राज्य के मुख्यमंत्री रहे। एम.जी.आर. का जन्म कैन्डी, श्रीलंका में हुआ था।

पुण्यतिथि

ज्योति बसु

जन्म-8 जुलाई, 1914 कलकत्ता; मृत्यु-17 जनवरी, 2010 कोलकाता, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के अग्रणी नेताओं में से एक थे, जिन्होंने पश्चिम बंगाल में 23 वर्ष तक लगातार मुख्यमंत्री रहकर संसदीय राजनीति में विशेष ख्याति पायी। भारत में कम्युनिस्ट राजनीति को स्थापित करने वालों में से बसु एक रहे।

कल मिलेंगे

दो सहेलियां कई दिनों बाद मिलीं
पहली-क्यों तेरे पति के तो सामने के दांत ही नहीं हैं
दूसरी-क्या बताऊं बहन..
2020 में शादी तय हुई तब कोविड था इसलिए ये मास्क लगाकर देखने आए थे।
पहली-फिर शादी के समय नहीं देखा?
दूसरी-तब (2020) कोरोना था और शादी के लिए केवल दो घंटे की अनुमति मिली थी। अब तू ही बता इतने कम समय में मैं मेकअप करती या इनके दांत देखती?

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

पढ़ने की लौ एवं किताबों से नाता अटूट है

दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में एक प्रतीकात्मक उत्सव बन चुका है। इस मेले में विश्वप्रसिद्ध लेखकों का आगमन होता है, साहित्यिक संवाद, विमर्श और चर्चाएं होती हैं। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स जैसे विश्व साहित्य के स्तंभों से लेकर भारतीय भाषाओं के महान साहित्यकारों तक की रचनाएं यहाँ पाठकों को एक साथ उपलब्ध होती हैं

-ललित गर्ग

53वें भारत मंडपम में 10 से 18 जनवरी 2026 तक नौ दिनों के किताबों के जमावडे ने एक बात स्पष्ट कर दी है कि किताबों से नाता कभी नहीं टूट पायेगा। इस मेले में 35 से अधिक देशों के एक हजार से अधिक प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह भव्य विश्व पुस्तक मेला केवल पुस्तकों की खरीद-फरोख्त का आयोजन नहीं है, बल्कि यह उस जीवंत पुस्तक-संस्कृति का उत्सव है, जिसे अनेक लोग डिजिटल युग में कमजोर मानने लगे थे। एक-एक किलोमीटर लंबी कतारें, बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की उत्सुक भागीदारी और पुस्तकों के प्रति बढ़ता आकर्षण इस धारणा को स्वस्थ करता है कि पुस्तकें जीवन का अभिन्न हिस्सा रही हैं और भविष्य में भी रहेंगी। इंटरनेट, सोशल मीडिया एवं अन्य इलेक्ट्रोनिक माध्यमों पर अपार पाठ्य सामग्री एवं साहित्य उपलब्ध होने के बावजूद पुस्तक मेलों में इतनी भीड़ क्यों आ रही है? छपी हुई पुस्तकें एवं शब्द केवल ज्ञान, जिज्ञासा और मनोरंजन की विशाल दुनिया के दरवाजे नहीं खोलते, वे हमें गंध, स्पर्श, संवेदना, सोच, अनुभूति की प्रेरक, अनुकरणीय एवं रोमांचक दुनिया में भी ले जाते हैं। इस वर्ष के पुस्तक मेले के दृश्य पुस्तक-संस्कृति के प्रति नई आशा, नया विश्वास और नया उत्साह पैदा करते हैं। यह मेला स्पष्ट संकेत देता है कि पढ़ने की प्रवृत्ति केवल जीवित ही नहीं है, बल्कि नए पंखों के साथ उड़ान भर रही है।

पुस्तक मेला वस्तुतः एक विश्व उत्सव है-ऐसा उत्सव जो ज्ञान, विचार, कल्पना और संवाद को एक साझा मंच देता है। दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने और संस्कृतियों को जोड़ने के लिए यह आयोजन अतीत और भविष्य के बीच एक मजबूत कड़ी तथा पीढ़ियों और सभ्यताओं के बीच एक सेतु का कार्य करता है। यही कारण है कि यूनेस्को हर वर्ष पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों-प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों के अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करता है, ताकि पुस्तक-संस्कृति की प्रेरणा पूरे वर्ष बनी रहे। यह पहल इस बात का प्रमाण है कि पुस्तकें केवल ज्ञान का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक संवाद और मानवीय एकता का भी आधार हैं। किताबें अपने सभी रूपों में-मुद्रित, ई-बुक, ऑडियो हमें सीखने, सोचने और स्वयं को सशक्त बनाने का अवसर देती हैं। वे हमारा मनोरंजन करती हैं, हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं और दूसरों की दुनिया में झांकने का अवसर देती हैं। इस साल का मेला भारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और ज्ञान/75 थीम पर आधारित है, जो भारत की रक्षा बलों के महत्वपूर्ण पलों, योगदानों और कहानियों पर ध्यान केंद्रित करता है। थीम मंडप 2026 दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। यह मंडप भारत की सैन्य विरासत के 75 वर्षों की ऐतिहासिक और निर्णायक यात्रा को दिखा रहा है, जिसकी जड़ें शौर्य, प्रज्ञा और नैतिक मूल्यों में निहित हैं. इसमें कथाओं, दृश्यात्मक प्रस्तुतियों और संवाद के माध्यम से 1947 से लेकर ऑपरेशन सिंदूर 2025 तक भारत की सैन्य यात्रा को रेखांकित करता है।

दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में एक प्रतीकात्मक उत्सव बन चुका है। इस मेले में विश्वप्रसिद्ध लेखकों का आगमन होता है, साहित्यिक संवाद, विमर्श और चर्चाएं होती हैं। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स जैसे विश्व साहित्य के स्तंभों से लेकर भारतीय भाषाओं के महान साहित्यकारों तक की रचनाएं यहाँ पाठकों को एक साथ उपलब्ध होती हैं। यह मेला भारतीय साहित्य को वैश्विक मंच देता है और साथ ही विश्व साहित्य को भारतीय पाठकों से जोड़ता है। पुस्तकों को ज्ञान का बाग कहा गया है। जो व्यक्ति पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर लेता है, उसे जीवन भर ज्ञान का संबल मिलता है। कठिन समय में पुस्तकें मित्र की तरह साथ देती हैं, मार्गदर्शन करती हैं और समाधान की दिशा दिखाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक और सार्वदेशिक है। किसी भी युग में, किसी भी तकनीकी आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता। इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी अनेक क्रांतियां आई हैं और आगे भी आएंगी, लेकिन पुस्तक-संस्कृति अपनी उपयोगिता और प्रासंगिकता बनाए रखेगी। कारण स्पष्ट है-पुस्तकें केवल सूचना नहीं देतीं, वे चिंतन, मनन और विवेक का विकास करती हैं।

तकनीक ने ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति अवश्य की है, लेकिन यह हर समय संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर केवल स्क्रीन से पढ़ा जाए। पुस्तक का स्पर्श, उसकी सुगंध, पन्नों को पलटने का अनुभव और पढ़ते हुए होने वाला एकांत संवाद-ये सभी तत्व पुस्तक को विशिष्ट बनाते हैं। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं, सोचने-समझने का दायरा बढ़ाती हैं और व्यक्ति को आत्मअनुशासन सिखाती हैं। पुस्तकें जाग्रत देवता के समान हैं। उनका अध्ययन, मनन और चिंतन तत्काल लाभ देता है। महात्मा गांधी के जीवन पर गीता, टॉल्स्टॉय और थोरो के विचारों का गहरा प्रभाव था। इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैचारिक निर्माण और वैश्विक छवि के निर्माण में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वे स्वयं एक सजग पाठक रहे हैं और पुस्तक-संस्कृति को जीवंत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात जैसे अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से पढ़ने, लिखने और विचार करने की संस्कृति को जन-जन तक पहुँचाया है। उनका संदेश बुकें दे, बुके नहीं केवल एक प्रतीकात्मक नारा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक दृष्टि है-जहाँ उपहार में फूलों के गुलदस्ते की बजाय ज्ञान का उपहार देने की प्रेरणा दी गई है। वे मानते हैं कि सत्साहित्य की शक्ति तोप, टैंक और परमाणु अस्त्रों से भी अधिक है, क्योंकि हथियार ध्वंस करते हैं, जबकि साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करता है और स्थायी परिवर्तन लाता है। सत्साहित्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है-ऐसा परिवर्तन जो सत्ता और कानून से किए गए परिवर्तनों से कहीं अधिक टिकाऊ होता है। इसी कारण प्रधानमंत्री मोदी भारत के परिवर्तन में पुस्तक-संस्कृति और सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका को स्वीकारते हैं। उनके नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, भारतीय भाषाओं को बढ़ावा, स्थानीय साहित्य का सम्मान और पठन-संस्कृति को प्रोत्साहन देने की दिशा में ठोस पहलें देखने को मिलती हैं।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार-प्रसार से युवाओं को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा का भंडार हैं, उन्हें पढ़कर व्यक्ति के भीतर कुछ महान करने की आकांक्षा जागती है। वे कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी, क्योंकि उनकी छाया में मनुष्य अपनी आंतरिक क्षमताओं को पहचानता है। आज का इंसान घर बदलता है, पहनावा बदलता है, रिश्ते और मित्र बदलता है, फिर भी असंतुष्ट रहता है क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया छोड़ दी है। पुस्तकें व्यक्ति को बदलने का मार्ग दिखाती हैं-सोच, व्यवहार और दृष्टि को सकारात्मक दिशा देती हैं। जब तक व्यक्ति स्वयं को नहीं बदलता, वह अपनी मंजिल नहीं पा सकता। आत्मानुशासन, आत्मचिंतन और आत्मविकास-ये सभी पुस्तक-संस्कृति की देन हैं।

इंटरनेट और ई-पुस्तकों की बढ़ती पहुँच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है। वे आज भी प्रासंगिक हैं और रहेंगी। हजारीप्रसाद द्विवेदी का कथन-साहित्य वह जादू की छड़ी है, जो पशुओं में, ईंट-पत्थरों में और पेड़-पौधों में भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती हैह्व, आज भी उतना ही सार्थक है। निश्चित ही, विश्व पुस्तक मेला की प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झकझोर रही है और उन्हें नए भारत-सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है। साररूप में यह कहा जा सकता है कि दिल्ली का विश्व पुस्तक मेला पुस्तक-संस्कृति और पढ़ने की प्रवृत्ति को नए पंख देने वाला एक अत्यंत उपयोगी और प्रासंगिक आयोजन है। इसका उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संबोधन में कहा कि पुस्तकें ज्ञान का वाहक हैं जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं, सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। यह मेला केवल पुस्तकों का नहीं, विचारों का, संस्कारों का और भविष्य का मेला है-जहाँ शब्द समाज का निर्माण करते हैं और पन्ने इतिहास की दिशा तय करते हैं।

पर्यावरणः जान-माल के नुकसान की नेताओं को परवाह नहीं

क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 (सीआरआई) की नई रिपोर्ट के अनुसार, 1995-2024 की अवधि में भारत दुनिया के उन शीर्ष 10 देशों में रहा है, जिन्हें जलवायु परिवर्तन से जुड़े चरम मौसम-कार्यों (बाढ़, तूफान, हीटवेव, सूखा आदि) का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ा है। इस 30-वर्षीय अवधि में भारत में करीब 430 आपदाएं हुईं, जिनमें लगभग 80,000 लोगों की मौत हुई और 1.3 अरब से अधिक लोग प्रभावित हुए

-योगेन्द्र योगी

देश के समक्ष पर्यावरण परिवर्तन एक ऐसी चुनौती बन गई है, जिसकी कीमत हर साल हजारों लोगों की जान देकर और अरबों रुपयों के नुकसान से चुकानी पड़ती है। हर साल विकराल होती इस समस्या के नेता और राजनीतिक दल गंभीर दिखाई नहीं देते। वोट बैंक की राजनीति इस गंभीर समस्या पर भारी पड़ रही है। केंद्र और राज्यों की सरकारों के लिए यह समस्या प्राथमिक सूची में नहीं है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार साल 2025 के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में आपदाओं ने भयंकर कोहराम मचाया जिसमें सैकड़ों आम लोगों की जान चली गयी। बीते साल 2025 में प्राकृतिक आपदाओं के कारण देश में 2700 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। सबसे ज्यादा मौतें उत्तर प्रदेश में रिकॉर्ड की गई, जबकि मध्य प्रदेश आपदा से हुई मौतों के मामले में दूसरे नंबर पर रहा। आंधी-तूफान और बिजली गिरने की वजह से सबसे ज्यादा मौतें बिहार में रिकॉर्ड की गई।

उत्तर-पश्चिम भारत में, विशेषकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बड़ी संख्या में बदल फटने, भूस्खलन और फ़्लैश फ्लड जैसी आपदाओं ने भयंकर कोहराम मचाया। बीते साल 1901 के बाद पिछले 124 साल में से तीसरी सबसे अधिक रिकॉर्ड की गयी।अंतरराष्ट्रीय बीमा कंपनी स्विस रे की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत को प्राकृतिक आपदाओं से 12 अरब अमेरिकी डॉलर (एक लाख करोड़ रुपये से अधिक) का नुकसान हुआ। यह 2013-2022 के औसत 8 अरब डॉलर से काफी ज्यादा था। स्विस रे की रिपोर्ट के अनुसार ये बड़े नुकसान उन क्षेत्रों में हुए जहां संपत्तियों और आर्थिक गतिविधियों की संख्या ज्यादा है। इस विश्लेषण में पाया गया कि भारत में पिछले दो दशकों में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले कुल वार्षिक नुकसान का लगभग 63 फीसदी हिस्सा बाढ़ से जुड़ा हुआ है। इसका कारण भारत की जलवायु और भौगोलिक स्थिति है।

संयुक्त राष्ट्र कार्यालय आपदा जोखिम न्यूनीकरण की रिपोर्टों के अनुसार भारत प्राकृतिक आपदाओं से सर्वाधिक आर्थिक नुकसान झेलने वाले शीर्ष देशों में से एक है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य रिपोर्टों के अनुसार भारत को चरम मौसम की घटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं के कारण हर साल भारी आर्थिक नुकसान होता है, लेकिन यह आंकड़ा 7 अरब डॉलर से काफी अधिक है, जो हाल के वर्षों में बढ़कर 8.7 अरब डॉलर (2021 की रिपोर्ट के अनुसार) या इससे भी अधिक (जैसे 2023 में 12 अरब डॉलर) हो गया है, क्योंकि बाढ़, तूफान और सूखे जैसी आपदाएं बढ़ रही हैं। 2003-2012 के दशक के 3.8 अरब डॉलर के औसत से बढ़कर 2013-2022 के दशक में यह औसत 8 अरब डॉलर प्रति वर्ष हो गया है, जो 125% की वृद्धि है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में भारत को जलवायु-संबंधी खतरों से 87 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।

क्लाइमेट रिस्क इंडेक्स 2026 (सीआरआई) की नई रिपोर्ट के अनुसार, 1995-2024 की अवधि में भारत दुनिया के उन शीर्ष 10 देशों में रहा है, जिन्हें जलवायु परिवर्तन से जुड़े चरम मौसम-कार्यों (बाढ़, तूफान, हीटवेव, सूखा आदि) का सबसे ज्यादा सामना करना पड़ा है। इस 30-वर्षीय अवधि में भारत में करीब 430 आपदाएं हुईं, जिनमें लगभग 80,000 लोगों की मौत हुई और 1.3 अरब से अधिक लोग प्रभावित हुए। अनुमानित आर्थिक हानि लगभग 170 अरब डालर रही। सीआरआई की रिपोर्ट बताती है कि भारत लगातार खतरे की श्रेणी में आता है। देश में जलवायु आपदाएँ इतनी बार-बार हो रही हैं कि एक घटना के प्रभाव से पूरी तरह उबरने से पहले ही अगली आ जाती है। नहरों, हिमालयी नदियों, समुद्री तटीय इलाकों और कृषि-प्रधान क्षेत्रों के लिए यह विशेष रूप से चिंता की बात है। भारत में जलवायु परिवर्तन से सिर्फ मौसम ही नहीं बिगड़ रहा, बल्कि यह बदलाव लोगों की सेहत पर भी सीधा हमला कर रहा है। इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ से जुड़े शोधकताओं के नेतृत्व में किए इस अध्ययन के मुताबिक भारत के जलवायु संवेदनशील जिलों में बच्चों के कुपोषित होने का खतरा अन्य जिलों की तुलना में 25 फीसदी अधिक है। इन जिलों में महिलाओं के घर पर प्रसव और बच्चों के ठिगने होने की आशंका भी अधिक है। मतलब कि जलवायु संकट का सीधा असर मां और शिशु के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इस कड़ी में दिल्ली के इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ के शोधकताओं ने अपने एक नए अध्ययन में भारत में जलवायु संकट और स्वास्थ्य के बीच गहरे संबंध को उजागर किया है। अध्ययन से पता चला है जलवायु जोखिम वाले जिलों के बच्चों के कुपोषित होने की आशंका 25 फीसदी अधिक है, यानी इन जिलों में बच्चों का वजन उम्र के अनुपात में सामान्य से कम होने का खतरा कहीं ज्यादा है।

यूनेस्को की एक नई रिपोर्ट ने यह खुलासा किया है कि अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चे अपनी पढ़ाई में डेढ़ साल तक पीछे रह सकते हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से बाढ़, जंगल की आग, गर्मी और तूफान जैसी आपदाओं ने पिछले 20 सालों में 75% मामलों में स्कूल बंद करवाए हैं। बांग्लादेश, दक्षिण सूडान और भारत जैसे देशों में बच्चे स्कूल नहीं लौट पाते, क्योंकि उनके घर, स्कूल और मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। भारत में 15 लाख से ज्यादा स्कूल हैं, जिनमें से कई में न तो पंखे हैं और न ही ठंडक की कोई व्यवस्था। शहरों में, कम आय वाले इलाके खराब शहरी नियोजन और हरियाली की कमी के कारण असमान रूप से प्रभावित होते हैं।

ग्रामीण इलाकों और गरीब बस्तियों में स्थिति और खराब है। इन तमाम रिपोर्टों से जाहिर है कि नए साल और आने वाले भविष्य में पर्यावरणीय चुनौतियां और भी गंभीर होंगी। इसकी फिक्र नेताओं और राजनीतिक दलों को नहीं है। उन्हें यदि फिक्र है तो ऐसे तात्कालिक मुद्दों की जिनसे वोट बटोरा जा सके। देश चलाने वालों ने वक्त रहते इन समस्याओं के प्रति यदि गंभीर रुख नहीं अपनाया तो यह हालात देश को भयानक अंधकार की तरफ ले जाने वाले साबित होंगे।

130 बिलियन डॉलर लौटाएगा अमेरिका? टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बेचैन ट्रंप, दुनिया भर में किरकिरी

(एजेन्सी)।
अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के आने वाले एक बड़े फैसले की जिसका असर ना केवल डोनाल्ड ट्रंप सरकार पर पड़ेगा बल्कि भारत सहित विश्व के कई देश इससे प्रभावित होंगे। बात टेरिफ पर आने वाले फैसले की। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट आज डोनाल्ड ट्रंप के टेरिफ पर ऐतिहासिक फैसला सुना सकता है। यह तय होगा कि क्या राष्ट्रपति ने नेशनल इमरजेंसी कानून का इस्तेमाल कर टेरिफ लगाकर अपनी संवैधानिक सीमा पार की थी। अगर कोर्ट ने टेरिफ अवैध घोषित कर दिए तो अमेरिका को 130 बिलियन डॉलर से ज्यादा रकम लौटाने का जोखिम है। नौ जस्टिस में से केवल तीन जस्टिस ट्रंप के खुले समर्थक माने जाते हैं। बाकी बेंच टेरिफ को कानूनी रूप से कमजोर मानने के संकेत दे चुकी है।

इस फैसले का असर सिर्फ अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि चीन से लेकर भारत तक ग्लोबल ट्रेड की दिशा तय करेगा। तो वाशिंगटन की अदालत के बाहर आज जितनी हलचल दिखी उतनी ही बेचैनी वॉल स्ट्रीट और एशियाई बाजारों में भी नजर आई। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट डोनाल्ड ट्रंप के सबसे विवादित फैसलों में से एक पर मोहर लगाने वाली है। सवाल सीधा है कि क्या राष्ट्रपति के नेशनल सिक्योरिटी का नाम लेकर ऐसे टेरिफ लगा दिए जिनकी इजाजत कानून कभी देता ही नहीं था। ट्रंप कोर्ट के इस फैसले को अपने लिए जीने मरने की लड़ाई बता चुके हैं। उन्होंने साफ कहा है कि अगर कोर्ट उनके खिलाफ गई तो अमेरिका वित्तीय अराजकता में फंस जाएगा लीगल एक्सपर्ट और ट्रेड एनालिस्ट मान रहे हैं कि टेरिफ के खिलाफ फैसला आने की संभावना ज्यादा है। यही वजह है कि आज का दिन ग्लोबल ट्रेड की दिशा बदल सकता है।

ट्रंप ने 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर एक्ट का सहारा लेकर नेशनल इमरजेंसी घोषित की और यूनिवर्सल टेरिफ के साथ चीन पर भारी ड्यूटी लगा दी। कुल वसूली 130 बिलियन डॉलर से ज्यादा मानी जाती है। निचली अदालतों ने पहले ही कहा कि यह कानून इतने व्यापक टेरिफ लगाने की अनुमति नहीं देता। अब सुप्रीम कोर्ट तय करेगी कि ट्रंप ने ताकत का सही इस्तेमाल किया या सीमा लांघ दी।

ट्रंप ने वॉर मशीन निकाली तो ईरान में हुई चीनी विमान की सीक्रेट लैंडिंग, हिला अमेरिका!

(एजेन्सी)।
अमेरिकी की चलती फिरती वॉर मशीन दक्षिण चीन सागर से सेंट्रल कमांड यानी सेंट कॉम की ओर बढ़ती चली आई। वो जगह जहां से मध्य पूर्व और आसपास के देशों में नजर रखने के साथ ही सैन्य अभियानों की जिम्मेदारी संभालता है। यहां गौर करना जरूरी है कि मध्य पूर्व में ईरान भी शामिल है। जिससे फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रस्साकशी चल रही है। ऐसे में कैरियर स्ट्राइक के मूवमेंट की पुष्टि पेंटागन की तरफ से की गई है। असल में सेंटकॉम अमेरिकी सेना का एक खास कमांड है। ये युद्ध और सैन्य ऑपरेशन्स की प्लानिंग, आतंक विरोधी अभियान, मुश्किल हालातों में तुरंत सैन्य कार्रवाई की जिम्मेदारी संभालता है।

पश्चिम एशिया में ईरान जो सालों से अमेरिकी प्रतिबंधों में जकड़ा रहा जिसे कमजोर समझा गया। आज वही ईरान अमेरिका और इजराइल की नींद उड़ाकर बैठ गया है और इसकी वजह बनी चीन के दो रहस्यमई विमान जो अचानक तेहरान में उतरते हैं। उस वक्त जब ईरान का एयरोस्पेस पूरी तरह बंद था तब दरअसल कल अचानक ईरान ने नोटम जारी किया मतलब पूरा एयररोस्पेस नो फ्लाई जोन घोषित सभी सिविल विमान बाहर इंटरनेशनल फ्लाइट डाइवर्ट और रडार स्क्रीन लगभग खाली 4 घंटे तक पूरा ईरानी आसमान शांत लेकिन इसी शांति में छिपा था सबसे बड़ा तूफान जैसे ही ईरान ने स्पेस बंद किया इजराइल के सभी एयरबेस हाई अलर्ट पर हो गए आयरन डोम डेविड स्लिंग एरो सिस्टम एक्टिव हो इजरयली एयरफोर्स पूरी तरह से स्टैंड बाय हो गई।

उधर कतर कुवैत और अल उदयद बेस से अमेरिकी ड्रोन और सर्विलांस ट्रेन एक्टिव हो गए। सबको लगने लगा ईरान अब फ्री एमटी स्ट्राइक करने जा रहा है। लेकिन असली कहानी यहां से शुरू होती है। जब पूरा ईरानी एयरस्पेस खाली था तभी रडार पर दो विमान दिखाई देते हैं। ध्यान दीजिए यह विमान ईरान के महान एयर के थे।

आरसीबी बनाम गुजरात जायंट्स मुकाबले में दिखेगा शीर्ष टीमों का टकराव

(एजेन्सी)।
विमेंस प्रीमियर लीग 2026 में मुकाबले अब धीरे-धीरे रोमांचक मोड़ लेने लगे हैं। शुक्रवार, 16 जनवरी को नवी मुंबई में होने वाले मैच में आरसीबी वुमन की नजर अपने शानदार आगाज को आगे बढ़ाने पर होगी, जबकि सामने होंगी गुजरात जायंट्स वुमन की चुनौती हैं।

बता दें कि आरसीबी ने अब तक खेले गए दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की है और वह लगातार तीसरी जीत के साथ लीग चरण में मजबूत पकड़ बनाना चाहती हैं। दूसरी ओर, गुजरात जायंट्स ने भी दो मुकाबले जीते हैं, लेकिन एक अतिरिक्त मैच खेलने के कारण हालिया हार ने उनकी कुछ कमजोरियों को उजागर किया। मौजूद जानकारी के अनुसार, अंक तालिका के ऊपरी हिस्से में मौजूद ये दोनों टीमें शुरूआती दौर की अहम परीक्षा देने उतरेंगी।

आरसीबी की अब तक की सफलता की बात करें तो उसका आधार आक्रामक शुरूआत और संतुलित रणनीति रही है। शीर्ष क्रम ने ज्यादातर ज़िम्मेदारी संभाली है, जिससे मध्यक्रम को अभी तक ज्यादा दबाव का सामना नहीं करना पड़ा है। हालांकि, अगर गुजरात शुरूआती विकेट निकालने में कामयाब रहती है, तो आरसीबी के मिडिल ऑर्डर की असली परीक्षा हो सकती है। गेंदबाजी में भी आरसीबी का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है। पावरप्ले में अनुशासित लाइन-लेंथ और डेथ ओवर्स में विकल्पों की विविधता ने कप्तान को राहत दी है। यही वजह है कि विपक्षी टीमों पर लगातार दबाव बना हुआ है। गुजरात जायंट्स के पास भी बल्लेबाजी में कोई कमी नहीं है। अनुभवी और आक्रामक खिलाड़ियों से सजी उनकी लाइन-अप किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को चुनौती देने में सक्षम है। इसके अलावा, मध्यक्रम और फिनिशिंग विभाग में उभरते नामों ने टीम की गहराई को और मजबूत किया है। हालांकि, चिंता का विषय उनकी गेंदबाजी रही है। शुरूआती ओवरों में विकेट न मिल पाना टीम के लिए परेशानी का सबब बना है। यदि गुजरात को आरसीबी की रफ्तार पर ब्रेक लगाना है, तो नई गेंद से सटीक गेंदबाजी बेहद जरूरी होगी।

मौसम और पिच की बात करें तो साफ आसमान की उम्मीद है, लेकिन नमी के कारण दूसरी पारी में ओस अहम भूमिका निभा सकती है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम के पहले गेंदबाजी चुनने की संभावना ज्यादा मानी जा रही है। कुल मिलाकर, दोनों टीमों में मैच विनर मौजूद हैं और अंक बेहद अहम हैं। ऐसे में नवी मुंबई में एक कड़ा और संतुलित मुकाबला देखने को मिल सकता है, जिसमें हल्की बढ़त मौजूदा फॉर्म को देखते हुए आरसीबी को मिलती दिख रही है।

आरबीआई ने संशोधित एकीकृत लोकपाल योजना जारी की

(एजेन्सी)।
भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को संशोधित रिजर्व बैंक-एकीकृत लोकपाल (ओंबड्समैन) योजना, 2026 जारी की। इसका उद्देश्य बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं के पीड़ित ग्राहकों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों के समाधान की दक्षता में और सुधार करना है। यह योजना एक जुलाई, 2026 से लागू होगी।

संशोधित योजना पर जारी परिपत्र के अनुसार, चूंकि इस योजना का उद्देश्य शिकायतों का कम लागत में और त्वरित निवारण प्रदान करना है, इसलिए इसके तहत कार्यवाही संक्षिप्त प्रकृति की होगी और यह साक्ष्य के किसी भी नियम से बाध्य नहीं होगी। रिजर्व बैंक इस योजना के तहत सौंपे गए कार्यों को पूरा करने के लिए अपने एक या अधिक अधिकारियों को आरबीआई लोकपाल और आरबीआई उप-लोकपाल के रूप में नियुक्त करेगा। ये नियुक्तियां सामान्यतः एक बार में तीन साल की अवधि के लिए की जाएंगी। आरबीआई ने कहा कि वह इस योजना के तहत दर्ज शिकायतों को प्राप्त करने और उनकी जांच के लिए एक या अधिक स्थानों पर केंद्रीकृत रसीद एवं प्रसंस्करण केंद्र (सीआरपीसी) स्थापित करेगा। ग्राहक अपनी शिकायतें ऑनलाइन भी दर्ज करा सकते हैं। परिपत्र में कहा गया है कि शिकायतों पर विचार करते समय, आरबीआई लोकपाल/उप-लोकपाल बैंकिंग कानून के सिद्धांतों, गतिविधियों और समय-समय पर रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशा-निर्देशों व नियमों को ध्यान में रखेंगे।

योजना की एक खास बात यह है कि आरबीआई लोकपाल के पास लाए जाने वाले विवाद की राशि पर कोई सीमा नहीं है। लोकपाल समझौते की सुविधा दे सकता है या निर्णय पारित कर सकता है। परिपत्र के मुताबिक, हालांकि, शिकायतकर्ता को हुए किसी भी परिणामी नुकसान के लिए, आरबीआई लोकपाल के पास 30 लाख रुपये तक की क्षतिपूर्ति प्रदान करने की शक्ति होगी। इसके अतिरिक्त, शिकायतकर्ता के समय की बबार्दी, खर्च, उत्पीड़न या मानसिक पीड़ा के लिए लोकपाल तीन लाख रुपये तक का क्षतिपूर्ति दिला सकता है।

प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा की 'स्पिरिट' की डेट फिक्स

(एजेन्सी)। बाहुबली' स्टार प्रभास के फैंस का लंबा इंतजार अब खत्म होने वाला है। शुक्रवार, 16 जनवरी 2026 को मेकर्स ने एक आधिकारिक घोषणा में बताया कि प्रभास और तृप्ति डिमरी स्टारर 'स्पिरिट' 5 मार्च 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मेकर्स ने शुक्रवार को यह घोषणा की, जिसमें बताया गया कि यह एक्शन ड्रामा अगले साल दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। एनिमल फेम फि ल्ममेकर संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित, इस फि ल्म ने अपनी पहली लुक इमेज सामने आने के बाद से ही फैंस के बीच काफी चर्चा बटोरी है। प्रभास की फि ल्म बड़े पर्दे पर कब रिलीज होगी, यह जानने के लिए आगे पढ़ें। प्रभास और तृप्ति डिमरी की फि ल्म स्पिरिट 5 मार्च, 2027 को दुनिया भर में रिलीज होगी। रिलीज डेट का पोस्टर शेयर करते हुए प्रभास ने लिखा, "#स्पिरिट 5 मार्च, 2027 को वर्ल्ड रिलीज के लिए तैयार है। @sandeepreddy.vanga (sic)." सोशल मीडिया यूजर्स ने फि ल्म की रिलीज डेट पर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की। एक यूजर ने कमेंट किया, "सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फि ल्म।" दूसरे ने जोड़ा, "5 मार्च, 2027 को #स्पिरिटथंडवम घोषित किया गया है।" अब तक, इस पोस्ट को 249K से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं।

दादा खेड़ा पर हरियाणवी सांग के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नगर पालिका सचिव व पार्षदों ने नागरिकों से डोर टू डोर कचरा वाहन में कूड़ा डालने की अपील की

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नगर पालिका राजौंद द्वारा नगर के दादा खेड़ा पर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हरियाणवी सांग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को साफ-सफाई रखने, कूड़ा प्रबंधन और स्वच्छ आदतों के बारे में संदेश दिया गया।

नगर पालिका सचिव नरेंद्र शर्मा ने दादा खेड़ा पर पहुंचकर नागरिकों को गली-मोहल्लों में सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ नगर के निर्माण में आमजन की भागीदारी बेहद जरूरी है।

इस अवसर पर सफाई एम्बेसडर व नगर पालिका पार्षद जोनी राणा ने राजौंद के नागरिकों से अपील की कि वे घर का कूड़ा-कचरा डोर टू डोर कचरा वाहन में ही डालें और नगर पालिका का सहयोग करें।

सफाई निरीक्षक प्रदीप कुमार ने भी नागरिकों से आग्रह किया कि घर का कचरा नालियों में न डालें, बल्कि उसे

इकट्ठा कर निर्धारित वाहन में डालें।

कार्यक्रम के दौरान पार्षद एवं सफाई एम्बेसडर जोनी राणा की मांग पर नगर पालिका सचिव नरेंद्र शर्मा ने आश्वासन दिया कि हाउस की आगामी बैठक में एजेंडा पास करवा कर दादा खेड़ा पर शैड का निर्माण करवाया जाएगा।

कार्यक्रम में पहुंचे नागरिकों ने हरियाणवी सांग का भरपूर आनंद लिया और नगर पालिका द्वारा दिए गए स्वच्छता संदेशों पर अमल करने का आश्वासन दिया। नागरिकों ने साफ-सफाई बनाए रखने, कूड़ा डोर टू डोर वाहन में डालने तथा गीला व सूखा कचरा अलग-अलग डस्टबिन में डालने की प्रतिबद्धता जताई।

लोक अभियोजक अधिकारियों के दो सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन के डॉ. ए. सराधाकृष्णन सम्मेलन कक्ष में लोक अभियोजक अधिकारियों के लिए आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आज संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 19 लोक अभियोजक अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के कोर्स संयोजक की भूमिका श्री बलजिंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक (अकादमी) ने निभाई। समापन अवसर पर प्रॉसीक्यूशन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. सोहन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागी अधिकारियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस दौरान उप जिला न्यायवादी श्री सुरेंद्र कुमार ने मुख्य अतिथि को स्मृति स्वरूप पौधा भेंट किया। मुख्य अतिथि डॉ. सोहन सिंह ने अकादमी की निदेशक श्रीमती कला रामचंद्रन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य लोक अभियोजकों को आधुनिक न्याय प्रणाली के अनुरूप आवश्यक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल से सशक्त बनाना रहा है।

सूर्य नमस्कार से प्राप्त होता है आरोग्य जीवन: डॉ. शकुंतला दहिया

योग व्यायामशालाओं एवं आयुष संस्थानों में किया गया सूर्य नमस्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। आयुष विभाग एवं हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वाधान में गांवों में जन जन तक स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के लिए योग व्यायाम शालाओं एवं 25 आयुष संस्थान, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, डिस्पेंसरी एवं आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्रो में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया की देखरेख में इन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ शकुंतला दहिया ने कहा कि सूर्य नमस्कार हमारा प्राचीन एवं परंपरागत व्यायाम है. इसके नियमित अभ्यास से शरीर का मेटाबॉलिज्म सुचारू रूप से काम करता है, हड्डियों को मजबूत एवं मांसपेशियों को लचीला बनाता है। शरीर को भरपूर ऊर्जा से भरकर आरोग्यता की तरफ ले जाता है। इसलिए दैनिक दिनचर्या में हमें सूर्य नमस्कार के अभ्यास को अपनाना चाहिए। हरियाणा योग आयोग के प्रोटोकॉल अनुसार सूर्य नमस्कार की 6 आवृति, जिसमें 7 आसनों नमस्कार आसन, तिर्यक ताड़ासन, पादाहस्तासन, अश्वासंचालन आसन, साष्टांग प्रणाम

भुजंगासन एवं पर्वत्तासन को 12 आसनों के समूह में किया जाता है।

उन्होंने बताया कि योग व्यायामशाला पाई, बरसाना, हरसोला, जुलानीखेड़ा, पबनावा, जाजनपुर, बरोट, बड़सीकरी, छौत्त, संगतपुरा एवं आयुष संस्थानों में सिसमोर, बरसाना, पीड़ल, जड़ौला, फरल, डीग, कोटड़ा, तितरम आदि स्थान पर आयुष विभाग में कार्यरत आयुष योग सहायकों के माध्यम से सूर्य नमस्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। सूर्य नमस्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 जनवरी स्वामी विवेकानंद जयंती से 12 फरवरी स्वामी दयानंद जयंती तक विभिन्न विभागों एवं स्थानों पर आयोजित किए जा रहे है। सूर्य नमस्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयुष विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

आमजन की शिकायतों की गंभीरता से सुनवाई करते हुए जल्द समाधान करें अधिकारी: डीसी अपराजिता

डीसी ने समाधान शिविर व अन्य पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की करी समीक्षा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि अधिकारी आमजन की समस्याओं व शिकायतों को गंभीरता से सुने और अपना व्यवहार अच्छा रखें। जिन शिकायतों का समाधान मौके पर ही किया जा सकता है, उनका तुरंत समाधान करें तथा समय लगने वाली शिकायतों पर कार्यवाही करते हुए शिकायतकर्ता को संतुष्ट करें। कोई भी अधिकारी किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतें।

डीसी अपराजिता लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविरों के माध्यम से प्राप्त होने वाली शिकायतों व अन्य पोर्टल पर लंबित शिकायतों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही थी। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतें

काफी महत्वपूर्ण हैं, अधिकारी इन शिकायतों का जल्द समाधान करने का प्रयास करें। दूसरे विभागों के साथ तालमेल रखें। सिर्फ पत्राचार करके औपचारिकता पूरी न करें, बल्कि संबंधित विभाग के अधिकारी से मोबाइल के माध्यम से संपर्क करके शिकायत का समाधान करवाएं। शिकायतों का समाधान करने उपरांत रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में भिजवाई जाए।

समीक्षा के दौरान एक पेंशन की शिकायत पर सुनवाई करते हुए डीसी ने एडीसी व समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे महिला की पैंशन संबंधित शिकायत का जल्द समाधान करवाएं। इसके अलावा डीसी ने जन स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कैथल, नगर परिषद कैथल, जिला परिषद, राजस्व विभाग, एचएसवीपी, एमएसएमई आदि विभागों में लंबित पड़ी शिकायतों के बारे में गहनता से जानकारी हासिल की। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि वे लंबित शिकायतों पर कार्यवाही अमल में लाते हुए जल्द निपटान करवाएं।

इस मौके पर एडीसी सुशील कुमार, जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश, नगर परिषद के आयुक्त कपिल शर्मा, एमडी शुगर मिल कृष्ण कुमार, एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह, सीटीएम गुरविंद्र सिंह, डीडीपीओ रितू लाठर, डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी, डीएसपी गुरविंद्र सिंह के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

शिव दुर्गा मंदिर वाली गली में सीवरेज कार्य की धीमी रफ्तार से हालात बदतर

नाला बंद होने से सरकारी अस्पताल परिसर में पहुंच रहा गंदा पानी, दीवार गिरने का खतरा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। नगर के पेगा मार्ग व शिव दुर्गा मंदिर वाली गली में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा सीवरेज दबाने का कार्य अत्यंत धीमी गति से किया जा रहा है। कार्य के चलते पूरी गली उखड़ चुकी है, जिससे गली से गुजरना नागरिकों के लिए बेहद कठिन हो गया है।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि गली की नाली अवरुद्ध होने के कारण नाली का गंदा पानी सरकारी अस्पताल के परिसर में दीवार से रिसते हुए पहुंच रहा है। इससे अस्पताल की दीवार की नींव खोखली होती जा रही है। नागरिकों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के चलते यह दीवार कभी भी गिर सकती है, जिससे न केवल भारी आर्थिक नुकसान होगा बल्कि आम जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो सकता है।

नागरिक होशियार सिंह, नरेश कुमार, मोहनलाल और देवेंद्र कुमार ने मुख्यमंत्री हरियाणा व संबंधित विभागीय मंत्री से मांग

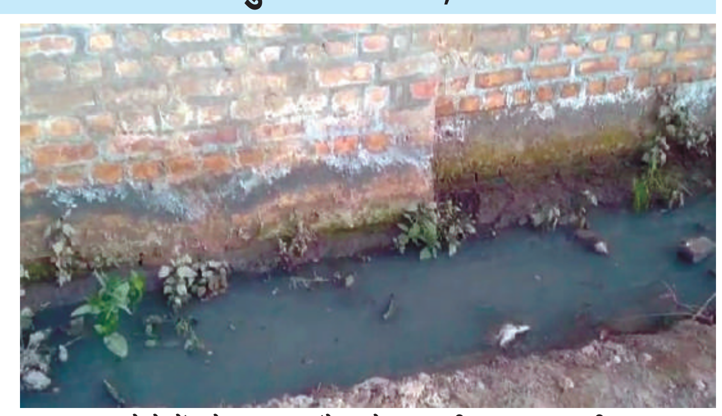

फोटो में प्रवेश करता गंदे नाले का पानी। (छाया: एसबी)

की है कि राजौंद के पेगा मार्ग, शिव दुर्गा मंदिर वाली गली की प्राथमिकता के आधार पर सुध ली जाए। उन्होंने आग्रह किया कि शीघ्र सीवरेज दबाकर गली को पक्का करवाया जाए, ताकि सरकारी अस्पताल परिसर में गंदा पानी प्रवेश न कर सके और नागरिकों का आवागमन सुगम हो। उल्लेखनीय है कि इस गली में शिव दुर्गा मंदिर स्थित है, जहां प्रतिदिन श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, वहीं इसी मार्ग से होकर लोग गुरुद्वारा साहिब भी जाते हैं। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की अनदेखी के कारण इस गली से गुजरने वाले वाहन चालक व आम नागरिक खून के आंसू रोने को मजबूर हैं। नागरिकों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

मकर संक्रांति पर जिलाधिकारी, वैशाली के निर्देशन में मीडियाकर्मियों के लिए कार्यक्रम का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर गुरुवार को जिलाधिकारी, वैशाली, वर्षा सिंह के निर्देशन में गृह रक्षा वाहिनी परिसर, जढुआ, हाजीपुर में मीडियाकर्मियों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

यह जिले में मीडिया प्रतिनिधियों के सम्मान एवं सहभागिता के लिए आयोजित अपनी तरह का पहला कार्यक्रम रहा जिसमें प्रशासन की ओर से उनके योगदान को विशेष रूप से सराहा गया। जिला पदाधिकारी के निर्देशन में संपन्न इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, बैद्यनाथ प्रसाद, जिला समादेष्टा, प्रेमचन्द्र सहित जिले के मीडिया बंधुओं की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरूआत कवि, संजय विजित्वर के काव्य पाठ से हुई जिन्होंने उपस्थित सभी लोगों को राष्ट्र प्रेम की रचना से उत्साह से भर दिया और उत्सव की भावना को और अधिक जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पारंपरिक मकर संक्रांति

व्यंजन दही-चूड़ा का सामूहिक भोज रहा जिसका सभी प्रतिभागियों ने आनंदपूर्वक स्वाद लिया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी, वैशाली की ओर से आयोजन में शामिल होने वाले सभी मीडिया बंधुओं को नव वर्ष की डायरी एवं कलम सप्रेम भेंट की गई। जिलाधिकारी, वैशाली, वर्षा सिंह की ओर से जिले के समस्त मीडिया बंधुओं को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं-का संदेश भी दिया गया।

इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से कहा गया कि मीडिया और प्रशासन के बीच सशक्त एवं साकारात्मक समन्वय जनहितकारी योजनाओं और सूचनाओं के प्रभावी प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य न केवल मीडियाकर्मियों का सम्मान करना है, बल्कि उनके साथ संवाद, सहयोग और सहभागिता को और अधिक मजबूत करना भी है। यह आयोजन जिले में मीडियाकर्मियों के प्रति प्रशासन की संवेदनशीलता, सम्मान और सहयोग की भावना को दशार्ने वाली एक नई पहल के रूप में सामने आया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे सफल, सौहार्दपूर्ण और प्रेरणादायी बताया।

महुआ के पूर्व विधायक, डॉ मुकेश रौशन के जन्मदिन के अवसर पर दर्जनाधिक्य लोगों ने किया रक्तदान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। महुआ के पूर्व विधायक, डॉ मुकेश रौशन के जन्मदिन के अवसर पर स्थानीय अंजानपीर के समीप स्थित साईं निवास में वैशाली जिले की जनता ने उन्हें जन्मदिन की सहृदय बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर दर्जनाधिक्य लोगों ने रक्तदान भी किया। जनकल्याण सेवा सोसायटी की पांचवीं वर्ष गांठ के अवसर पर डॉ मुकेश रौशन ने बैलून का गुच्छ उड़ाया और उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वैशाली जिला की जनता से सदैव उन्हें स्नेह मिलता रहा है और भविष्य में भी मिलता रहेगा।इस क्रम में उन्होंने उपस्थित मीडियाकर्मियों सहित सैकड़ों लोगों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर वे स्वयं तथा दर्जनाधिक्य लोगों के द्वारा रक्तदान किया गया। डॉ मुकेश रौशन ने मीडियाकर्मियों को बताया कि रक्तदान

महादान है। इसलिए इस भावना के तहत साल में तीन बार मैं स्वयं भी रक्तदान करता हूं और लोगों से भी आग्रह करता हूं कि इस महादान में सभी लोग शामिल हों ताकि किसी के जीवन के लिए आपका रक्त रक्षक के रूप में काम आ सके। उन्होंने यह भी बताया कि इस सोसायटी के रक्त वीरों को सैल्यूट करता हूं जिनके द्वारा आकस्मिक स्थिति में जरूरतमंद लोगों को चौबीस घंटे के भीतर निशुल्क रक्त उपलब्ध करवाया जाता है।

ऋषिकेश में हुए दो दिवसीय सफल प्रशिक्षण शिविर के लिए सुनील कौशिक ने जताया आभार

नायक प्रशिक्षण शिविर में जिलाध्यक्ष सुनील कौशिक को किया सम्मानित

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। विप्र फाउंडेशन द्वारा ऋषिकेश में दो दिवसीय 10 व 11 जनवरी को आरोहण नायक प्रशिक्षण शिविर के सफल आयोजन के लिए विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष सुनील कौशिक अरडाना ने शिविर में पहुंचे सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा के नेतृत्व में आयोजित हुए इस शिविर में जिलाध्यक्ष सुनील कौशिक अरडाना को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज व प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप वशिष्ठ ने सम्मानित किया। सुनील कौशिक ने कहा कि करनाल जिले की कार्यकारिणी का शीघ्र ही गठन किया जाएगा और ब्लॉक स्तर पर भी टीमों का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विप्र फाउंडेशन समाज और देशहित के कार्यो के लिए समर्पित रहेगा। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रामरुप शर्मा, प्रवीण शर्मा सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

खानपुर प्रखंड के दिनमनपुर दक्षिणी संकुल अंतर्गत उ.म.वि. हरिजनटोल खतुआहा में तीन दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण आयोजित

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर प्रखंड क्षेत्र के दिनमनपुर दक्षिणी संकुल अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय हरिजन टोल खतुआहा में विद्यालय शिक्षा समिति का तीन दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षणचर्या का विधिवत उद्धघाटन विद्यालय शिक्षा समिति के जिला स्तरीय प्रशिक्षक अमित कुमार,

उत्प्रेरक वीणा देवी, अध्यक्ष मो0 अशफाक, संकुल समन्वयक मो. एजाज अहमद अंसारी, प्रधान शिक्षक लाल बाबू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रशिक्षण में उपस्थित शिक्षा समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए प्रशिक्षक अमित कुमार ने मॉडल लोक संवाद के माध्यम से विद्यालय शिक्षा समिति की शक्तियां एवं कृत्य,सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि आपको अपने विद्यालय को जानने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में क्या उपलब्ध है, किस चीज की कमी है, आप विद्यालय के विकास में क्या योगदान दे सकते हैं, ताकि विद्यालय में शिक्षा के वातावरण का समुचित निर्माण हो सके।

उत्प्रेरक वीणा देवी ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं और शिक्षक समाज का नव निर्माण करते हैं। जब शिक्षक और समाज के जनप्रतिनिधि मिलकर विकास कार्य की रूप रेखा तैयार करेंगे तो बच्चों का सर्वांगीण विकास हो जाएगा। प्रशिक्षक द्वय ने विहार शिक्षा परियोजना द्वारा संचालित सभी योजनाओं यथा मुख्यमंत्री बालक, बालिका साइकिल योजना, पोशाक योजना, पी एम पोषण योजना, मुख्यमंत्री मेधा छात्रवृत्ति योजना, बिहार स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड, दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित सभी योजनाओं, अनुरक्षण भत्ता योजना, निःशुल्क पाठ्य पुस्तक योजना, किशोरी स्वास्थ्य योजना आदि के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा किए।

मौके पर संकुल संचालक अमित कुमार, प्रधानाध्यापक अरविंद कुमार पाण्डेय, धनंजय कुमार झा, सुनील कुमार, पवन प्रकाश, विद्यालय शिक्षा समिति के सचिव शोभा देवी, बबीता कुमारी, सदस्य रीता कुमारी, शबनम प्रवीण, रोबीना खातून, अध्यक्ष अशोक पासवान, मोहन चौधरी, उमेश झा, सुमित्रा देवी, वीरमति देवी, मूर्ति देवी, रेखा देवी, अनिता देवी, माला देवी सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

डी-प्लान के लंबित कार्यों को जल्द किया जाए पूरा: योगेश कुमार मेहता

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। अतिरिक्त उपायुक्त योगेश कुमार मेहता ने कहा कि जिला में डी-प्लान के तहत चल रहे विकास कार्यों को जल्द पूरा किया जाए। इन विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अतिरिक्त उपायुक्त योगेश कुमार मेहता शुक्रवार को डी-प्लान की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि डी प्लान के तहत जो कार्य शुरू हो चुके हैं, उन्हें जल्द से जल्द पूरा करें। वहीं जो कार्य अभी तक शुरू नहीं हुए हैं, उनकी तुरंत फिजिबिलिटी चेक की जाए। यदि कोई कार्य तकनीकी या अन्य कारणों से संभव नहीं है, तो उसकी रिपोर्ट तुरंत भेजें ताकि उस बजट को अन्य जरूरी विकास कार्यों में स्थानांतरित कर उपयोग में लाया जा सके। बैठक में उन्होंने कहा कि सरकारी धन का उपयोग पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ किया जाए ताकि जनता को धरातल पर उसका लाभ मिले।

कलम की ताकत साहित्यिक संस्थान भारत की ई-पत्रिका का विमोचन

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। कलम की ताकत साहित्यिक संस्थान भारत के द्वारा संक्रांति पर्वोत्सव के उपलक्ष्य में ई-पत्रिका का विमोचन और साथ ही एक भव्य काव्य गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। "मनुष्य जीवन का ध्येय" विषय पर ई-पत्रिका का विमोचन और काव्य-गोष्ठी का आयोजन हुआ। ई- पत्रिका के प्रधान संपादक कलम की ताकत साहित्यिक संस्थान भारत के संस्थापक अमरजीत सिंह हैं वहीं सह संपादक महासचिव रामजी त्रिवेदी हैं। उन्हीं के मार्गदर्शन पर ई-पत्रिका को सजाया व संवारा गया।

इस आयोजन को सफल बनाने में संस्थान के पदाधिकारी उपाध्यक्ष इंजीनियर प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, अधीक्षक डॉ. शैलेश सिंह, संयोजक डॉ. देवीदीन अविनाशी, मीडिया प्रभारी क्रांति पाठक, कार्यक्रम संयोजक जगबीर सिंह का योगदान महत्वपूर्ण रहा। काव्य-गोष्ठी का आरंभ मीरा सक्सेना 'माध्वी' के सरस्वती वंदना से हुआ।

इस कार्यक्रम में कलम की ताकत साहित्यिक संस्थान भारत के महासचिव रामजी त्रिवेदी ने उपस्थित रहकर ई-पत्रिका का ऑनलाइन विमोचन किया।

इस ई-पत्रिका में देश के विभिन्न राज्य के कलमकारों की बहुसंख्या में रचनाएं संकलित हैं तथा देश के विभिन्न राज्य से उपस्थित संजय हजारीबागी, प्रो शरद नारायण खरे, नंदकिशोर बहुखंडी, डॉ. सुधा यादव, डॉ. शशि जायसवाल, डॉ. ओम प्रकाश नागर आदि साहित्यकारों द्वारा काव्य-पाठ किया गया। नवजागृति युवामंच के संस्थापक सर्वजीत सिंह की गरिमामई उपस्थिति सभी के लिए उत्साहवर्धक रही। मंच संचालन राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दक्षा एच निमावत 'पृथा' ने किया और कार्यक्रम के अंत में मीडिया प्रभारी क्रांति पाठक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।
संपर्क करें: 9871221635

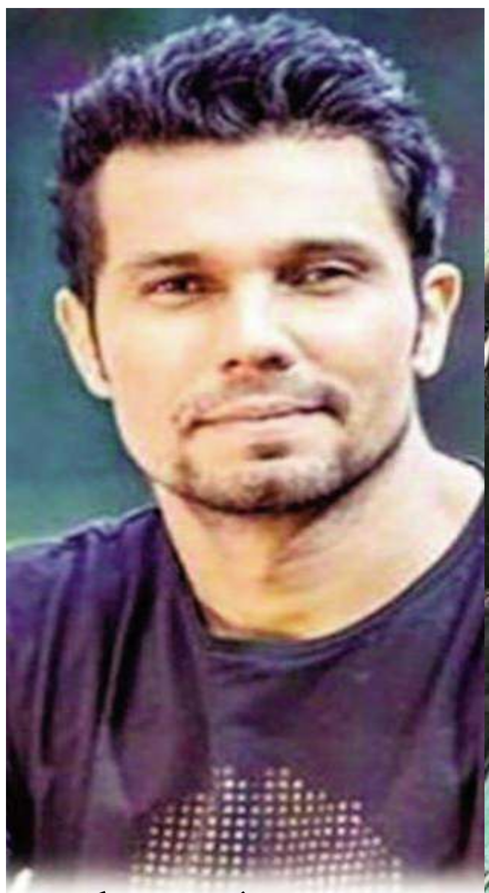

ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा हमेशा अपने जड़ों से जुड़े रहने और अपनी संस्कृति को अपनाने पर जोर देते हैं। वह उन कलाकारों में से हैं जो ग्लैमर से ज्यादा कंटेंट को अहमियत देते हैं। उनका मानना है कि भाषा, संस्कृति और जड़ें किसी भी व्यक्ति के लिए कोई रोक नहीं हैं, बल्कि ये उसकी ताकत और पहचान बनाती हैं।

इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब हम अपने मूल्यों और संस्कृति को समझते हैं और उन्हें अपनाते हैं, तो हमारे सोचने का नजरिया और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल जाता है। रणदीप हुड्डा अब उन कहानियों से जुड़ रहे हैं जो हरियाणवी, राजस्थानी और भोजपुरी संस्कृति को सामने लाती हैं।

रणदीप हुड्डा ने कहा कि मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं जो दिखावटी न हों, बल्कि जिंदगी की सच्चाई को ईमानदारी से सामने रखें। आज के दौर में जब सब कुछ तेज और चमकदार होता जा रहा है, तब सिनेमा का काम लोगों को ठहरकर सोचने का मौका देना भी है। गांव, मिट्टी, रिश्ते और संघर्ष से निकली कहानियां दर्शकों के दिल में ज्यादा देर तक रहती हैं। ऐसी फिल्मों में काम करना एक अभिनेता को और बेहतर बनाता है, क्योंकि यहां अभिनय के साथ-साथ संवेदनशीलता भी जरूरी होती है। उन्होंने कहा, मैं अपने करियर में संख्या से ज्यादा गुणवत्ता पर ध्यान दे रहा हूं। हर फिल्म मेरे लिए एक सीख होती है, जो न सिर्फ एक कलाकार, बल्कि एक इंसान के तौर पर भी मुझे आगे बढ़ाती है। जब मैं अपनी जड़ों से जुड़ी कहानियों का हिस्सा बनता हूं तो दर्शक भी खुद को उस कहानी में देख पाते हैं। बातचीत के दौरान रणदीप हुड्डा ने कहा, सिनेमा समाज को आईना दिखाने का काम करता है। अगर फिल्में लोगों को अपनी पहचान, संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने में सफल होती हैं, तो वही सिनेमा की असली जीत है। यही सोच मुझे बार-बार ऐसी कहानियों की ओर खींचती है, जो सरल होते हुए भी गहरी छाप छोड़ जाती हैं।

कैसे शख्स से शादी करना चाहती थीं तारा सुतारिया?

ब्रेकअप की खबरों, अफवाहों के बीच तारा सुतारिया का एक पुराना इंटरव्यू चर्चा में आ गया है। इस इंटरव्यू में वह बता रही हैं कि उन्हें कैसा लाइफपार्टनर चाहिए? वह अपने पार्टनर में क्या-क्या क्वालिटीज देखती हैं।

तारा सुतारिया ने रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में अपने लाइफपार्टनर को लेकर बात की थी। यह तब की बात है, जब वीर पहाड़िया के साथ उनके रिलेशनशिप में होने की अफवाहें उड़ी थीं। लेकिन रिलेशनशिप को दोनों ने कंफर्म नहीं किया था। तारा से पॉडकास्ट में पूछा गया था कि क्या वह विदेशी व्यक्ति से शादी करेंगी? इस पर तारा ने जवाब दिया था, 'मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा। मैं बहुत देसी इंसान हूं। मुझे अपने यहां का देसीपन पसंद है। हमारे यहां एक खास तरह का चिल-आउट माहौल होता है। यहां रहने का एक खास तरीका है। मुझे यह सबकुछ पसंद है। मुझे सादगी चाहिए और कंफर्ट चाहिए।'

पार्टनर में चाहिए किस तरह की क्वालिटी?

तारा सुतारिया पॉडकास्ट में आगे कहती हैं, 'मेरे पार्टनर को भी पता होना चाहिए कि वह कौन है? मुझे लगता है कि अगर आपको पता है कि आप कौन हैं? तो बाकी सबकुछ अपने आप ठीक हो जाता है। सेल्फ अवेयरनेस बहुत जरूरी है।'

तारा सुतारिया के ब्रेकअप की अटकलों के पीछे क्या कारण है?

कुछ दिन पहले सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया पहुंची थीं, उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया भी साथ थे। कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को मंच पर बुलाया। इस दौरान दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सभी को हैरान कर दिया। स्टेज पर तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर थीं और सिंगर ने उन्हें किस कर लिया। इसके बाद जिस तरह से वीर पहाड़िया का रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ, उसने हंगामा मचा दिया। गौरतलब है कि तारा और वीर ने इसी साल अगस्त में अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। इसके बाद से दोनों अक्सर साथ नजर आते रहे हैं, दोनों के वीडियोज भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। इंस्टाग्राम पर भी दोनों साथ में फोटो पोस्ट करते थे। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। जिसके पीछे सोशल मीडिया यूजर्स एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना को जिम्मेदार मान रहे हैं। वैसे तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई बातों को वायरल करवाने के पीछे नेगेटिव पीआर को जिम्मेदार माना था।

करियर फंट पर क्या कर रही हैं तारा सुतारिया?

तारा सुतारिया करियर फंट को लेकर भी चर्चा में हैं। जल्द ही वह साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में नजर आएंगी। इस फिल्म से उनका लुक भी सामने आ चुका है। टॉक्सिक 19 मार्च को रिलीज होगी, इसकी टक्की सिनेमाघरों में फिल्म धुरंधर 2 से है।

जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची हूं

मशहूर डायरेक्टर प्रियदर्शन की बेटी और लोका चैप्टर 1 के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन के बारे में अफवाह है कि वह रणवीर सिंह के साथ फिल्म प्रलय से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी। इस चर्चा के बीच, उन्होंने उन बॉलीवुड ऑफर्स के बारे में भी बात की जो उन्हें मिल रहे हैं।

बातचीत में कल्याणी प्रियदर्शन ने कहा, मुझे नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं, लेकिन अच्छी कहानियां हमेशा मुझे मिल ही जाती हैं, चाहे भाषा कोई भी हो। मैंने हमेशा कहा है कि जब स्क्रिप्ट की बात आती है तो मैं बहुत लालची एक्ट्रेस हूं। अगर कोई अच्छी स्क्रिप्ट है, चाहे वह किसी भी भाषा में हो, चाहे वह मराठी, हिंदी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु या मलयालम हो, मुझे वह चाहिए।

लोका चैप्टर 1 एक मलयालम भाषा की सुपरहीरो फिल्म है, जो 28 अगस्त 2025 को रिलीज हुई। इस फिल्म के निर्देशक डोमिनिक अरुण हैं। इसके निर्माता दुलकर सलमान हैं। इसमें कल्याणी प्रियदर्शन के अलावा अरुण कुरियन, चंदू सलीमकुमार, निशांत सागर, रघुनाथ पलेरी, विजय राघवन, निथ्या श्री और सारथ सभा के साथ नसलेन और सैंडी ने अभिनय किया है।

कल्याणी ने हिंदी फिल्मों का भी हिस्सा बनने की इच्छा जताई, और इस बात पर जोर दिया कि उनके लिए हमेशा स्क्रिप्ट और अच्छी कहानियां ही सबसे जरूरी हैं। जब कल्याणी से पूछा गया कि लोका चैप्टर 2 की सफलता के बाद हिंदी फिल्मों के ऑफर बढ़े हैं या नहीं, तो उन्होंने कहा यह नहीं कह सकती कि ऑफर बढ़े हैं या कम हुए हैं, लेकिन मौके हमेशा से रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह ऐसी इंसान हैं जो किसी भी फिल्म को अपना समय पूरी लगन से देना पसंद करती हैं।

फिल्म ओह माय गॉड 3 में देवी का किरदार प्ले करेंगी रानी

लोकप्रिय फिल्म फैंचाइज ओह माय गॉड का जल्द ही तीसरा पार्ट आने वाला है। हाल ही में खबर आई थी कि फिल्म में रानी मुखर्जी की दमदार एंट्री हो रही है और इस बार वो अक्षय कुमार के साथ मिलकर कहानी में बड़ा धमाका करेंगी, लेकिन अब नया अपडेट सामने आया है। दरअसल, रानी के जुड़ते ही फिल्म की कहानी का पूरा रुख बदल गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... रानी के आने के बाद फिल्म की कहानी में बड़ा बदलाव किया गया है। स्क्रिप्ट का फोकस अब रानी के किरदार पर ज्यादा होगा, जबकि फैंचाइज की पिछली दोनों फिल्मों के हीरो रहे अक्षय कुमार की भूमिका को सिर्फ कैमियो तक सीमित कर दिया गया है यानी तीसरी किस्त में अक्षय बस मेहमान बनकर रह गए हैं।

हैप्पी पटेल की रिलीज से पहले इमरान खान को सता रही है इस बात की चिंता

इमरान खान लंबे समय बाद बॉलीवुड में वापसी करने वाले हैं। इमरान कॉमेडियन वीर दास की पहली डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म हैप्पी पटेल-खतरनाक जासूस से बॉलीवुड में वापसी कर रहे हैं। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। इसी फिल्म को लेकर आमिर खान के भांजे इमरान खान ने अपने एक डर से पर्दा उठाया है।

इमरान को किस बात का है डर?

इमरान खान भी इस फिल्म में एक छोटे लेकिन मजेदार कैमियो रोल में दिखेंगे। यह उनकी 2015 की फिल्म कट्टी बट्टी के बाद लगभग 10 से 11 साल बाद बड़ी स्क्रीन पर वापसी है। इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनका यह रोल स्रह्वस्न्ह (कुछ छूट जाने का डर) की वजह से हुआ। वीर दास ने भी हाल ही में बताया कि हैप्पी पटेल को सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिल गया है। यानी यह फिल्म सिर्फ 18 साल से ऊपर के लोगों के लिए है। फिल्म 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यह साल की शुरुआत में एक धमाकेदार हंसी-मजाक और मनोरंजन लेकर आ रही है। इस फिल्म में वीर दास के साथ मोना सिंह, मिथिला पलकर, और शरिब हाशमी जैसे कलाकार भी हैं। इमरान खान का कैमियो इसे और भी खास बना देगा।

बिग बॉस मराठी के छठे सीजन में दिखाई देंगे एक्टर श्रेयस तलपदे

कलर्स टीवी के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस 19 का फिनाले 7 दिसंबर 2025 को हो चुका है। इसके बाद अब दर्शक बिग बॉस मराठी के छठे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीजन को रितेश देशमुख होस्ट करते नजर आएंगे। शो की स्ट्रीमिंग 11 जनवरी से शुरू होने जा रही है, लेकिन इससे पहले ही शो से जुड़ा एक दिलचस्प अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक... श्रेयस तलपदे इस बार बिग बॉस मराठी 6 का हिस्सा बन सकते हैं। खास बात यह है कि वह शो में मेहमान नहीं, बल्कि प्रतियोगी के रूप में घर में एंट्री कर सकते हैं। अगर यह खबर सही साबित होती है, तो यह उनका पहला बड़ा रियलिटी शो होगा।

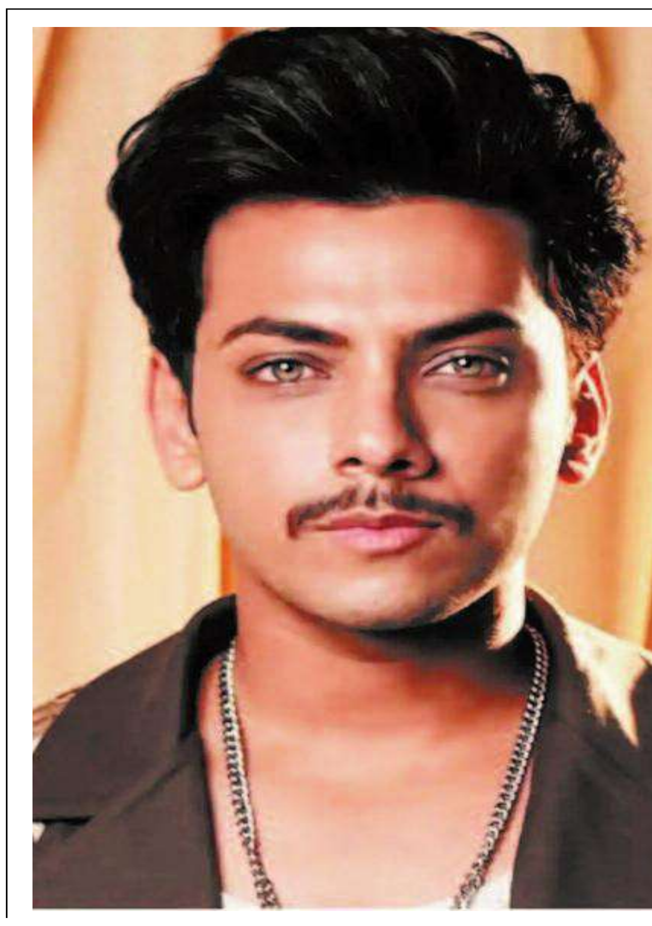

होमबाउंड मेरे लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, एक इमोशनल सफर है

फिल्म होमबाउंड अकादमी पुरस्कारों के 98 साल के इतिहास में इस श्रेणी तक पहुंचने वाली पांचवीं भारतीय फिल्म बन गई है। यह उपलब्धि एक बार फिर दिखाती है कि इंडियन कहानियों की भावनाएं और सच्चाई अब ग्लोबल मंचों पर लोगों तक पहुंच रही हैं।

इस बड़ी उपलब्धि के साथ अभिनेता विशाल जेठवा लॉस एंजेलिस पहुंच चुके हैं, जहां से फिल्म के इंटरनेशनल अवॉर्ड कैंपेन की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा, 'नए साल की शुरुआत इससे ज्यादा खास और इमोशनल नहीं हो सकती थी। इस फिल्म के ऑस्कर जर्नी के लिए लॉस एंजेलिस आना मेरे लिए किसी सपने जैसा है। सच कहूं तो मैं अब भी यह समझने की कोशिश कर रहा हूं कि यह सब वाकई मेरे साथ हो रहा है। यह फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं रही, इसने मुझे एक एक्टर और एक इंसान दोनों रूपों में बहुत कुछ दिया है।'

'नीरज सर ने मुझे खुद को नए सिरे से खोजने का मौका दिया'

अपने डायरेक्टर नीरज घयवान के साथ काम करने के अनुभव को विशाल ने अपने करियर का सबसे अहम पड़ाव बताया। उन्होंने कहा, 'नीरज सर के साथ काम करना मेरे लिए जिंदगी बदल देने वाला अनुभव रहा। उनकी संवेदनशीलता, ईमानदारी और कहानी को देखने का नजरिया मुझे इमोशंस की उन परतों तक ले गया, जहां तक मैं शायद खुद भी पहले कभी नहीं पहुंच पाया था। उन्होंने मुझे खुद को तोड़ने, समझने और फिर एक बेहतर कलाकार के रूप में दोबारा गढ़ने का मौका दिया। मैं उनका हमेशा इस मौके के लिए आभारी रहूंगा।'

'ईशान और पूरी टीम के साथ यह सफर और भी खास हो गया' अपने सह-कलाकार ईशान खट्टर और पूरी टीम के बारे में बात करते हुए विशाल की आवाज में गर्व और अपनापन साफ झलकता है। उन्होंने कहा, 'ईशान और पूरी टीम के साथ इस सफर को साझा करना इस उपलब्धि को मेरे लिए और भी खास बना देता है। हम सबने इस फिल्म में दिल से मेहनत की है। साथ में सीखना, गिरना, संभलना और आज यहां तक पहुंचना अपने आप में बहुत इमोशनल एक्सपीरियंस रहा है। इस स्तर पर एक-दूसरे के साथ खड़े होकर फिल्म का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है।'

'यह फिल्म मुझे याद दिलाती है कि मैं अभिनेता क्यों बनना चाहता था'?

अपनी बात को बेहद आत्मीय अंदाज में खत्म करते हुए विशाल कहते हैं, 'आज यहां खड़े होकर अपने सिनेमा और अपनी कहानी का प्रतिनिधित्व करना मुझे फिर से याद दिलाता है कि मैं एक्टर क्यों बनना चाहता था। यह मेरी पहली फिल्म है, जिसे इस तरह की इंटरनेशनल पहचान मिली है और शायद इसी वजह से यह मेरे दिल के बेहद करीब है। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के ऑडियंस से भी उसी तरह जुड़ेगी, जैसे शूटिंग के दौरान यह हम सब से जुड़ी थी।'

लॉस एंजेलिस में इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचेगी फिल्म की कहानी

लॉस एंजेलिस में विशाल जेठवा, ईशान खट्टर और निर्देशक नीरज घयवान मिलकर फिल्म का प्रमोशन करेंगे। यहां फिल्म की खास स्क्रीनिंग होगी और अकादमी के मेंबर्स से मुलाकात व बातचीत के कार्यक्रम रखे जाएंगे। इसका उद्देश्य फिल्म की की सच्ची और भावनात्मक कहानी को दुनिया के ऑडियंस तक पहुंचाना है। फिल्म को इसकी मजबूत कहानी और असरदार अभिनय के लिए पहले ही काफी सराहना मिल चुकी है।